वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 251 | गुरुवार 5 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जिफ में इरफान खान पर लिखी बुक होगी लॉन्च

सोनाली बेन्द्रे शेयर करेंगी अनुभव, स्क्रीन प्लेराइटर अपर्णा सेन को दिया जाएगा अवॉर्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया

देश दुनिया का लोकप्रिय पांच दिवसीय जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 'जिफ' का आगाज शुक्रवार 6 जनवरी को शाम 4:30 बजे महाराणा प्रताप सभागार में होगा। रेड कारपेट पर होने वाले इस भव्य उद्घाटन समारोह में दो बार के ग्रेमी विनर रिकी केज, हॉलीवुड स्टार पामेला जय स्मिथ और सुमति राम मुख्य आकर्षण होंगे। इस मौके पर इन हस्तियों के निर्देशन में जिया नाथ और सनातन चक्रवर्ती अमीर खुसरो को समर्पित नृत्य रचना प्रस्तुत करेंगे। बुधवार को गुर्जर की थड़ी स्थित होटल हॉलीडे इन एक्सप्रेस एंड सुईट जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में फेस्टिवल की जानकारी शेयर की गई और लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड की घोषणा हुई।

उदयपुर में शुरू हुआ रोजगार का महाकुंभ

मेगा जॉब फेयर में सैंकड़ों युवाओं का सपना हुआ साकार, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राज्य मंत्री अशोक चांदना गुरूवार को करेंगे शिरकत

जयपुर/उदयपुर. कासं

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर उदयपुर में आयोजित ''राजस्थान मेगा जॉब फेयर'' सैंकड़ों युवाओं के लिए रोजगार की सौगात लेकर आया। किसी को सेल्स एंड मार्केटिंग मैनेजर, रिलेशनशिप ऑफिसर, कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी मिली तो किसी का डिजिटल मार्केटिंग, कैश ऑफिसर, रिसेप्शनिस्ट, कंस्ट्रक्शन टेक्नीशियन के पद पर अच्छी सैलेरी के साथ चयन हुआ। प्रथम दिन बुधवार को लगभग 6700 अभ्यर्थी इंटरव्यू देने पहुंचे जिनमें से 2800 अभ्यर्थियों का प्राथमिक तौर पर चयन हुआ। गुरुवार को अंतिम दिन भी इंटरव्यू एवं चयन का दौर चलेगा तथा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शिरकत कर ऑफर लेटर वितरित करेंगे। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल द्वारा उदयपुर निवासी राजीव सारस्वत को वार्षिक 4 लाख 80 हजार रुपए का पैकेज दिया गया तो उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया। मेगा जॉब फेयर में पहुंची उदयपुर निवासी कृतिका जैन ने बताया कि उनका डिजायर एजूटेक एंड मेनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में 2 लाख 50 हजार रुपए सालाना पैकेज पर चयन हुआ है।

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

योजना से जुड़े अस्पतालों को स्पेशलिटी सुविधा व डॉक्टरों के नाम डिसप्ले बोर्ड पर प्रदर्शित करना अनिवार्य

जानकारी प्रदर्शित नहीं करने वाले अस्पतालों पर होगी कार्यवाही

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमन्त्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना से जुड़े सभी अस्पतालों को लाभार्थियों के लिए यह जानकारी प्रदर्शित करनी होगी कि उनके अस्पताल में चिरंजीवी योजना के तहत कौन कौन सी स्पेशलिटी उपलब्ध है और कौन कौन से डॉक्टर उससे संबद्ध है। योजना से जुड़े सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को यह जानकारी देने वाले डिस्प्ले बोर्ड अस्पताल में विभिन्न स्थानों पर लगाने होंगे। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुचि त्यागी ने इस संबंध में निर्देश जारी किए है। गौरतलब है कि योजना से संबद्ध अस्पताल के प्रवेश द्वार, लिफ्ट और सीढियों के सामने सहित अस्पताल के सभी प्रमुख स्थानों पर इस तरह की जानकारी देने वाले डिस्प्ले बोर्ड लगवाने अनिवार्य है, लेकिन हाल ही में कुछ अस्पतालों के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि निर्धारित फॉर्मेट में जानकारी प्रदर्शित करने वाले डिसप्ले बोर्ड या तो नहीं लगे है या उनमें पूरी जानकारी नहीं है। स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शुचि त्यागी ने बुधवार को वीसी के माध्यम से सभी ज़िलों में पदस्थापित डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम कॉर्डिनेटर को दो दिनों में ये सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि योजना से जुड़े सभी अधिकारियों के लिए यह रेगुलर मॉनिटरिंग का पार्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजना से जुड़े लाभार्थियों को किसी भी तरह की परेशानी योजना का लाभ लेने में नहीं आनी चाहिए। योजना से जुड़े सभी अधिकारी और कार्मिक स्वयं को लाभार्थी मानकर योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने निर्देश दिए कि चिरंजीवी मित्र का नाम और मोबाइल नंबर भी सही ढंग से प्रदर्शित होने चाहिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि जिन अस्पतालों में स्पेशलिटी, पैकेजेज और डॉक्टर्स की जानकारी वाले डिस्प्ले बोर्ड नहीं मिलेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नए साल में अपने स्वास्थ्य से करें दोस्ती...

ग्लोकोमा (काला मोतिया) को अक्सर ''दृष्टि का मौन चोर'' कहा जाता है, क्योंकि इसके अधिकांश प्रकारों में आम तौर पर कोई दर्द नहीं होता है और ध्यान देने योग्य दृष्टि हानि होने तक कोई लक्षण उत्पन्न नहीं होता है। ग्लोकोमा (काला मोतिया) संबंधित नेत्र विकारों का एक समूह है जो ऑप्टिक नर्वो को नुकसान पहुंचाता है जो आंख से मस्तिष्क तक जानकारी पहुंचाता है।

ग्लूकोमा एक ऑप्टिक नर्व का न्यूरोडीजेनेरिटिव रोग है, जो धीरे-धीरे आंखों की रोशनी को छीन लेता है. यह मोतियाबिंद के बाद नेत्रहीन होने का दूसरा अहम कारण भी है. दुनियाभर के नेत्र विशेषज्ञ 'ऑप्थमॉलजिस्ट' हर वर्ष मार्च के दूसरे हफ्ते को 'वर्ल्ड ग्लूकोमा वीक' के रूप में मनाते हैं. इसका उद्देश्य लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है. जानें इस बीमारी के इलाज में आने वाली चुनौतियों के बारे में.

ग्लूकोमा एक साइलेंट बीमारी, बीच में न छोड़ें दवाइयां

ग्लूकोमा को समलबाई या काला मोतिया भी कहा जाता है. ग्लूकोमा के शुरुआती दौर में कोई लक्षण दिखायी नहीं देते. समय पर उपचार न हो, तो इससे अंधापन हो सकता है. नियमित रूप से आंखों का परीक्षण कर रोग का जल्द पता लगाकर इलाज करवाया जा सकता है.

लापरवाही से जा सकती है रोशनी

ग्लूकोमा के इलाज के वक्त डॉक्टर्स व मरीज दोनों ही चुनौती का सामना करते हैं. क्योंकि, कभी-कभी बीमारी का सही समय पर इलाज करवाने के बावजूद मरीज बीच में ही दवा लेना छोड़ देते हैं. कुछ वर्ष बाद फिर से वह मरीज इलाज कराने पहुंचता है, पर उस वक्त तक उसे एडवांस ग्लूकोमा हो जाता है और उसका विजन और भी कमजोर हो जाता है.

ड्रग डिफॉल्टर बनने की मुख्य वजहें

- **ग्लूकोमा बगैर लक्षण वाला रोग:** ग्लूकोमा में शुरुआती लेवल पर मरीज के कोई लक्षण नहीं होते है, न ही कोई दर्द होता है और न ही दिखने में परेशानी होती है. यह एक तरह से साइलेंट बीमारी है, जो आपकी आंखों के लिए धीमे जहर की तरह असर करती है. साथ ही ग्लूकोमा के मरीजों को कोई ऐसे लक्षण नहीं आते हैं, जिससे उन्हें समय पर निर्धारित दवाइयां लेना याद रह सके और वो दवाइयां लेना भूल जाते हैं. इससे इलाज सही तरीके से नहीं हो पाता है और इससे बीमारी ज्यादा खराब हो जाती है.
- **ग्लूकोमा की अपरिवर्तनीय प्रकृति :** कई मरीजों को ग्लूकोमा जैसी अपरिवर्तनीय प्रकृति के बारे में पता नहीं होता है और अक्सर सवाल करते हैं कि अगर वे इतने सालों से नियमित इलाज करवा रहे हैं, तो रोग ठीक क्यों नहीं होता है. ऐसे में वे निराश होकर इलाज बंद कर देते हैं. मरीजों को यह महसूस करना होगा कि हम सिर्फ ग्लूकोमा को रोक सकते हैं और इसे बदल (ठीक) नहीं सकते हैं.
- **दवाइयों का खर्च :** ग्लूकोमा की दवाइयां थोड़ी महंगी होती हैं. ऐसे में मरीज पर अलग खर्चा बढ़ जाता है और वे इसे बीच में ही बंद कर देते हैं.
- **कॉस्मेटिक समस्या :** कुछ ग्लूकोमा की दवाइयों से महिलाओं की आंखों में लाली या आंख के चारों ओर काले घेरे हो सकते हैं. ऐसे में दवाइयों के बंद करने के नुकसान के बारे में जाने बिना ही वो अपनी खुराक बंद कर देती हैं.

डॉक्टर व मरीज दोनों की मदद से खत्म होगी बीमारी

ड्रग डिफॉल्टर के कारणों के बारे में जानने के बाद एक बात तय है कि एक डॉक्टर का बीमारी की तरह उसके ग्लूकोमा रोगी के साथ जीवन भर का संबंध होता है. डॉक्टर व मरीज के बीच बॉन्डिंग मजबूत और आपस में विश्वास होना चाहिए. हमें अपने मरीजों के साथ वक्त बिताने और उन्हें उनकी बीमारी के बारे में विस्तार से समझाने की जरूरत है. यह बताने की जरूरत है कि हम एक साथ इससे कैसे लड़ने जा रहे हैं. वहीं, एक मरीज को भी अपनी बीमारी के बारे में जानने का अधिकार है. अपनी बीमारी के बारे में ठीक से जानकारी लिया हुआ मरीज, उस मरीज से जल्दी बीमारी से जंग जीत सकता है, जिसे बीमारी के बारे में जानकारी नहीं है.

ड्रग डिफॉल्टर न बनें

आमतौर ड्रग डिफॉल्टर उन मरीजों को कहा जाता है, जो जरूरी और डॉक्टर की ओर से बतायी गयी दवाइयों को अपने आप ही बंद कर देते हैं. ऐसे में मरीजों को ड्रग डिफॉल्टर बनने की बजाय पूरा इलाज कराना चाहिए.

5 दिन के भीतर श्री समेद शिखरजी क्षेत्र के विषय मे लेगी सरकार सकारात्मक निर्णयः जे पी नड्डा

औरंगाबाद. शाबाश इंडिया

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को सकल जैन समाज औरंगाबाद की ओर से श्री समेद शिखरजी के तीर्थ क्षेत्र को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने के विरोध में तथा उस सम्पूर्ण क्षेत्र को पवित्र जैन तीर्थक्षेत्र घोषित करने हेतु सकल जैन समाज औरंगाबाद के महासचिव महावीर पाटनी, सतीश सुरणा,नीलेश सावलकर, मनीषा भंसाली आदि ने निवेदन दिया। इस प्रसंग पर केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री डॉ भागवत कराड़ के साथ भाजपा के संजय केनेकेर, बापू घडामोडे, विवेक देशपांडे,महेश मालवतकर, किरण पाटिल आदि की उपस्थिति थी। 10मिनट के इस वार्तालाप में जे पी नड्डा ने इस सम्पूर्ण विषय को खुलकर समझा और इस तीर्थक्षेत्र के बारेमे उन्हें भी अत्यधिक जानकारी थी । उन्होंने कहा कि जैन समाज निश्चिन्त रहे 5 दिन के भीतर इस विषय पर इस तीर्थक्षेत्र की पवित्रता एव जैन समाज के भावनाओं के अनुरूप सकारात्मक निर्णय केंद्र एव झारखण्ड सरकार लेगी ,ऐसा सकल जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल तथा उपास्थित सभी को आश्वासन दिया।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी ने कहा...

चार बातें हमें जीने, जानने और समझने को मजबूर करती है

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया। ये चार बातें हमें जीने, जानने और समझने को मजबूर करती है :

(1) भय- आपको होश में जीने की प्रेरणा देता है। (2) जुनून- आपसे वह कार्य करवाता है, जो आप नहीं कर सकते। (3) हौसला - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आप करना चाहते हैं। (4) अनुभव - आपसे वह कार्य करवाता है, जो आपको करना चाहिए। जीवन में थोड़ा भय तो होना ही चाहिए। अन्यथा व्यक्ति उच्छंकर हो जायेगा। भय - पाप के फल का हो सकता है।

भय - माता पिता की डाट का हो सकता है।

भय - गलत कार्य करने में पकड़ने का हो सकता है।

मौत का भय - जीवन जीना सीखा सकता है। बिमारी का भय - गलत खान पान से बचा सकता है। गन्दगी का भय - स्वच्छ जीवन जीने की प्रेरणा दे सकता है।

दुःख का भय - आदमी को नेकी की राह दिखा सकता है।

इसलिए - जो मनुष्य भय को समझकर उसे स्वीकार कर लेता है, वह भय के पाप से मुक्त होकर अभय और निर्भयता का जीवन जीना शुरू कर देता है। संसार में सन्त-परमहंस और पागल को भय नहीं होता। शेष हर व्यक्ति, हर इन्सान को और संसार के सभी प्राणीयों को भय रहता ही है और रहना भी चाहिए। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

जो परमात्मा को याद करें वह पुण्यात्मा है: आचार्य प्रज्ञासागर

शुजालपुर. शाबाश इंडिया

मृत्यु के समय जिसे परिवार याद आएँ वह पापी,और जिसे परमात्मा याद आएँ वह पुण्यात्मा है ।यह बात मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि पुण्यात्मा ही समाधि की भावना रखता है।अर्थात पुण्यात्मा की समाधि होती है पापी तो सिर्फ मरता है।आचार्य वीरसेन स्वामी कहते है, जिसे मृत्यु के समय णमोकार मन्त्र याद रहता है वह सम्यकदृष्टि और जो भूल जाएं वह मिथ्यादृष्टि है। उक्त विचार तपोभूमि प्रणेता प्रज्ञासागर महाराज ने धर्मरत्नाकर जी के सल्लेखना प्रकरण के अन्तर्गत एक गाथा की व्याख्या करते हुए शुजालपुर में उपस्थित जनसमूह के समक्ष व्यक्त किये। उन्होंने कहा जीवन में धन कमाकर लोग धनवान बन जाते है, पढ़ लिखकर विद्वान बन जाते है लेकिन थोड़े से लोग होते है जो भगवान की पूजा और गुरुओं की सेवा करके पुण्यवान बनते है।जो पुण्यवान होते है वे पुण्य के प्रभाव से अरहन्त की अवस्था को प्राप्त करते है ऐसा आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी प्रवचनसार जी में कहते है। शाम को आनंदयात्रा करवाते हुए महाराज श्री ने

दिनचर्या कैसी होनी चाहिए यह बतलाया उन्होंने कहा-सुबह उठकर णमोकार मन्त्र का नौ बार जप करें फिर दर्पण में अपना चेहरा देंखे।फिर सीधा पैर जमीन में रखते हुए बिस्तर छोड़े।ऐसी हमारे पूर्वाचार्यों की आज्ञा है।इस विषय को विस्तार से समझाते हुए बहुत सारी बातें बताई। बाद में सही जवाब देने वाले श्रीमती रुचि जैन आष्ठा, सुधीर जैन राजगढ़ और श्रीमती आशा जैन शुजालपुर मंडी को समाज की ओर पुरस्कार प्रदान किये गए।आरती के साथ कार्यक्रम पूर्ण हुआ।

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने सम्मेद शिखर जी के समर्थन मे अन्न का त्याग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने सम्मेद शिखर जी के समर्थन मे अन्न का त्याग कर दिया। आज उन्होंने पत्र लिखकर सम्मेद शिखर जी पर अपने विचार प्रकट करते हुए बताया कि अपने जीवन के 75 वर्ष पूरे कर चुका हूं और अब 76वां वर्ष प्रारंभ हो गया है । मैं संन्यास आश्रम में आ गया हूं। इसलिए अब समाज की सेवा करके अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता हूं। धर्म धारण करके अपने जीवन को सफल बनाना चाहता हूं। श्री सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को बनाए रखने के लिए और सरकार को जगाने के लिए सम्पूर्ण जैन समाज प्रयत्नशील है । उसका समर्थन करने के लिए मैं आज से अनिश्चितकाल तक अन्न को ग्रहण नहीं करुंगा। भले ही, मैं स्वयं सनातन संस्कृति का हिन्दू हूं। हिंदुओं को जगाने के लिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि मेरे पत्र और इस मैसेज को अपने सभी मित्रों और ग्रुप में शेयर करने की कृपा करें । आपका आभारी रहूंगा। आपका मंगल हो । आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया

वेद ज्ञान

समझौता है शांति का आधार

समझौता एक सामान्य शब्द है, लेकिन बड़े-बड़े वैमनस्य, शत्रुता और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने में इसका कोई जवाब नहीं है। आज की जीवन प्रणाली में तनाव और चिंता इतनी बढ़ गई है कि मनुष्य का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। हमारी इच्छाओं और कामनाओं के अलावा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों ने दुनिया से तो नजदीकियां बढ़ा दी हैं, लेकिन परिवार से दूरियां बढ़ती जा रही हैं। सुख-समृद्धि की अंधी दौड़ और खंडित व्यक्तित्व के कारण व्यक्ति तनाव और चिंता में रहता है, जिससे क्रोध और अनर्गल भाषा का प्रयोग उसकी आदत बन जाती है। इसका परिणाम टूटते संबंधों एवं बिखरते परिवारों के रूप में दिखता है। इस विघटनकारी स्थिति से मुक्त होने के लिए जो जैसा है, उसे वैसा ही स्वीकार करके जीने से जीवन का भार कम हो जाता है। इसी संबंध में रूस के प्रसिद्ध दार्शनिक टॉलस्टाय का कहना है कि मनुष्य सबसे अधिक यातना अपने विचारों से ही भोगता है। किसी भी प्रतिकूलता का प्रतिकार या तिरस्कार करने से वह घटती नहीं, बल्कि कई गुना बढ़ जाती है। आज जरूरत इस बात की है कि व्यक्ति अपनी भौतिकतावादी दृष्टि के स्थान पर आध्यात्मिक दृष्टि का विकास करे। दूसरों के साथ व्यवहार करते समय आग्रह-बुद्धि का त्याग करें, दूसरों के विचारों को सुनें, समझें एवं शांति और धैर्य के साथ सही तथ्यों के आधार पर निर्णय लें। जीवन में घटने वाली घटनाओं, संबंधों और परिस्थितियों के साथ अहं का परित्याग कर समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। समझौते की प्रवृत्ति को लोग भीरुता का पर्याय समझते हैं, लेकिन यह शांतिपूर्ण ढंग से जीवन जीने की कला है। हमें दूसरों की समस्याओं, नजरियों व विचारों को समझने का प्रयास कर उचित सम्मान देना चाहिए। किसी मध्यबिंदु पर आकर समझौता करना चाहिए। इस वृत्ति को बढ़ावा देने से हम अपने पारिवारिक जीवन की समस्याओं को सुगमता से सुलझा सकते हैं। विवाह-विच्छेद, आत्महत्या, हत्या आदि सभी के पीछे आवेग और दूसरों की बातों को समझने की चेष्टा का अभाव होता है। अहं को त्यागकर समझौता करना महानता का परिचायक होता है।

संपादकीय

सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा बेहतर करने की जरूरत

जम्मू-कश्मीर में आए दिन आतंकी हमलों की जो घटनाएं सामने आ रही हैं, उनसे ऐसा लगने लगा है कि शायद वहां एक बार फिर आतंक का दौर हावी होने लगा है। ऐसा तब है जब सरकार की ओर से समूचे इलाके में आतंकवाद से मोर्चा लेने के लिए हर स्तर पर चौकसी बरती जा रही है और अक्सर सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आतंकवादी मारे भी जा रहे हैं। इसके बावजूद आतंकियों ने जिस तरह डर का माहौल बनाए रखने के लिए निर्दोष लोगों पर हमला जारी रखा है, उससे साफ है कि वहां सुरक्षा व्यवस्था को और ज्यादा बेहतर करने की जरूरत है। गौरतलब है कि रविवार को जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती राजौरी जिले के एक गांव डांगरी में दो आतंकवादियों ने कुछ घरों को निशाना बना कर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में हिंदू परिवारों के चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य बुरी तरह घायल हो गए। जिन घरों पर हमला हुआ था, उनमें से ही एक में सोमवार की सुबह भी विस्फोट हुआ,

जिसमें दो बच्चियों की जान चली गई और चार हताहत हुए। जम्मू-कश्मीर में लक्षित हमलों का जो नया सिलसिला शुरू हुआ है, ताजा घटना उसकी एक कड़ी भर है। लेकिन यह समझा जा सकता है कि वहां अब आतंक का स्वरूप बदल रहा है। आतंकवादी अब अंधाधुंध गोलीबारी करते हैं, लेकिन उनके लक्ष्य तय होते हैं। यही वजह है कि बीते कुछ महीनों में जितने भी आतंकी हमलों की खबरें आई हैं, उनमें मरने वाले ज्यादातर लोग या तो बाहरी राज्यों से वहां जाकर रोजी-रोजगार में लगे थे या वहीं उनकी सामुदायिक पहचान स्पष्ट थी। जाहिर है, आतंक फैलाने के मकसद से किसी को भी मार डालने से जब आतंकवादी गिरोहों की मंशा पूरी होनी बंद हो गई, तब उन्होंने अपने निशाने बदल लिए, ताकि ऐसे हमलों के जरिए लोगों को मारने के साथ-साथ अपनी मौजूदगी की ओर ध्यान खींचने का दोहरा मकसद हासिल किया जा सके। इस रणनीति से एक ओर जहां वे देश की सरकार के सामने नई मुश्किलें पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनाना चाहते हैं। हालांकि ऐसे वक्त में भी सुरक्षाबलों ने जिस स्तर की चौकसी बरती है, अनेक आतंकियों को मुठभेड़ों में मार गिराया है, उससे उम्मीद बंधती है कि आने वाले दिनों में ऐसे आतंकवादियों पर भी शिकंजा कसा जा सकेगा। लेकिन सच यह भी है कि जम्मू-कश्मीर को एक अस्थिर और हिंसाग्रस्त इलाका बनाए रखने के लिए आतंकी संगठन और उनके संरक्षक लगातार ऐसे हमलों को अंजाम देते रहना चाहते हैं। यह अब कोई छिपा तथ्य नहीं है कि सीमा पार स्थित ठिकानों से आतंकी संगठन अपनी गतिविधियां संचालित करते हैं और यह उस देश में उन्हें मिले उच्च स्तरीय संरक्षण के बिना लगातार संभव नहीं हो सकता। इस मसले पर भारत वैश्विक मंचों पर हमेशा आवाज उठाता रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान को इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया जा चुका है कि वह आतंकवादी संगठनों को पनाह और अपने सीमाक्षेत्र से गतिविधियां संचालित करने की सुविधा देता है। – **राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

हादसों का शहर...

नए साल की पूर्व संध्या पर देर रात को दिल्ली में एक और हृदय विदारक घटना हो गई। एक कार ने स्कूटी से जा रही लड़की को टक्कर मारी, लड़की कार के नीचे फंस गई और चालक को इसकी भनक तक न लगी। नतीजा, कार उस लड़की को कई किलोमीटर तक घसीटती रही और फिर आखिरकार लड़की का निर्वस्त्र मृत शरीर सड़क पर पड़ा पाया गया। दिल्ली पुलिस इसे एक दुर्घटना बता रही है। उसका कहना है कि कार में चूंकि इतना तेज संगीत चल रहा था और उसमें बैठे लोग नशे में थे, इसलिए उन्हें पता ही नहीं चल पाया कि उनकी कार के नीचे कोई फंसा हुआ घिसट रहा है। शुरू में आशंका जताई जा रही थी कि आरोपियों ने लड़की के साथ दुर्व्यवहार किया होगा और फिर उसे जान से मारने का यह तरीका निकाला होगा। मगर पुलिस ने ऐसी किसी मंशा से इनकार किया है। हालांकि पुलिस अभी इस घटना की गहराई से जांच कर रही है। इसलिए घटना से उठे कुछ सवालों के जवाब स्पष्ट नहीं हैं। इस घटना का एक प्रत्यक्षदर्शी भी है, जिसने पुलिस को फोन पर सूचना दी। जब उसने देखा कि एक कार लड़की को घसीटती ले जा रही है, तो वह उसका पीछा करता रहा। उसने कई बार पुलिस को फोन किया, मगर पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। सवाल है कि सूचना मिलने के करीब पौन घंटे तक पुलिस वहां क्यों नहीं पहुंची। नए साल पर शराब पीकर हुड़दंग करने, बेढंगे तरीके से गाड़ी चलाने वालों पर नजर रखने के लिए दिल्ली में अतिरिक्त पुलिस तैनात की गई थी। सड़कों पर जगह-जगह नाके लगाए गए थे। गश्ती वाहन चौकन्ने थे। फिर कैसे इस तरह तथाकथित नशे में धुत कार सवार लड़की को घसीटते हुए कई किलोमीटर तक ले जा पाए और सूचना मिलने के बावजूद पुलिस को उनका पीछा करना जरूरी नहीं लगा। यह भी कि कैसे कि टक्कर मारने के बाद भी चालक को पता नहीं चला। विचित्र है कि एक लड़की उनकी गाड़ी के नीचे फंस कर घिसटती रही और गाड़ी में सवार किसी को भी कुछ असामान्य कैसे नहीं महसूस हुआ। फिर, अगर लड़की सचमुच कार के नीचे फंस गई थी और घिसटने से उसके सारे कपड़े फट गए, तो एक कपड़ा कैसे इतना मजबूत साबित हुआ कि दूर तक लड़की को बांधे रहा। इस घटना की ठीक से जांच हो, तो शायद इन सवालों के जवाब मिल सकें। पिछले कुछ सालों से दिल्ली में एक के बाद एक जघन्य अपराध सामने आए हैं। कुछ ही दिनों पहले दिल्ली के छावला इलाके में जिस तरह एक लड़की से बलात्कार और फिर बड़े अमानवीय ढंग से उसकी हत्या कर दी गई थी, उसे लोग भूले नहीं हैं। रास्ता चलती किसी लड़की को उठा लेना और उससे बदसलूकी करना जैसे आपराधियों के लिए सामान्य बात हो गई है। इन सबके पीछे कहीं न कहीं पुलिस और कानून का भय समाप्त हो जाना है। पुलिस के पास शायद ही इस बात का कोई माकूल जवाब है कि नए साल की पूर्व संध्या पर उसके कड़ी निगरानी और चौकसी के दावे का क्या हुआ कि यह घटना घट गई। जब घोषित चौकसी के बावजूद ऐसी घटनाएं दिल्ली में घट जाती हैं, तो सामान्य दिनों में पुलिस की तत्परता और महिला सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्धता का अंदाजा लगाया जा सकता है। जब पुलिस अपने दायित्वों के प्रति लापरवाह होती है, तो अपराधी इसी तरह बेखौफ घूमते हैं।

उदयपुर जिला जार इकाई

राकेश शर्मा 'राजदीप' अध्यक्ष, दिनेश भट्ट महासचिव और गोपाल लोहार कोषाध्यक्ष निर्वाचित

राकेश शर्मा 'राजदीप' (अध्यक्ष)

दिनेश भट्ट (महासचिव)

गोपाल लोहार (कोषाध्यक्ष)

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) की उदयपुर जिला इकाई कार्यकारिणी के चुनाव बुधवार को संपन्न हुए। नवीन कार्यकारिणी के परिणामों की घोषणा करते हुए निवर्तमान जिलाध्यक्ष नानालाल आचार्य ने बताया कि जार के उदयपुर जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा 'राजदीप' और महासचिव दिनेश भट्ट निर्विरोध निर्वाचित हुए। जबकि कोषाध्यक्ष पद पर गोपाल लोहार निर्वाचित हुए। जिला कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति ने किया गया। जिसमें प्रिया दुबे उपाध्यक्ष, दिनेश जैन खेरवाड़ा ग्रामीण उपाध्यक्ष, हरीश नवलखा सचिव, दिनेश हाड़ा सह कोषाध्यक्ष, जितेंद्र माथुर संगठन मंत्री, यतीन्द्र दाधीच और एडवोकेट मनोज सोनी विधि सलाहकार, बाबूलाल ओड सांस्कृतिक मंत्री के अलावा लक्षित लोहार को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। जिला कार्यकारिणी सदस्यों में सुधाकर पीयूष, जयवंत भैरविया, महेंद्र बारबर, हेमन्त सिंह राजपूत को शामिल किया गया है। उदयपुर जार जिला इकाई के संरक्षक एवं मार्गदर्शक मंडल में विष्णु शर्मा हितैषी, महेंद्र वीरवाल, अशोक आर्य, डॉ. मदन मोदी, नरेश शर्मा और चंद्रशेखर दाधीच शामिल हैं। जर्नलिस्ट एसोसिएशन आफ राजस्थान जार के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा, महासचिव भाग सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशल मूंदड़ा, उपाध्यक्ष नानालाल आचार्य, सचिव राजेश वर्मा तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भरत मिश्रा ने उदयपुर जिला इकाई के समस्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन

पनोरमा पुस्तिका का हुआ विमोचन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। मानसरोवर शिप्रा पथ स्थित सेण्ट विल्फ्रेड कॉलेज फॉर गर्ल्स में सवित्री बाई फुले शैक्षिक शोध एवं सामाजिक विकास संगठन, जयपुर संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी दो और तीन जनवरी को जी.डी. बडाया ऑडिटोरियम मे आयोजित किया गया। संगोष्ठी का विषय-ह्यइमर्जिंग पैटर्न ऑफ डवल्पमेंटः ग्लोबल सिनेरियोह्न अर्थात वैश्विक परिदृश्य में विकास के उभरता स्वरूप पर संगोष्ठी में पांच तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। जिसमें विकास के दार्शनिक, सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक एवं पर्यावरणीय आयामों पर विशुद्ध चर्चा की गई। इन विषयों के अंतर्गत जहां वेद, भारतीय दर्शन एवं भागवत गीता में वर्णित विचारों का विश्लेषण किया गया वहीं स्टार्ट-अप एवं जलवायु परिवर्तन जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। संगोष्ठी का प्रारम्भ संस्था के मानद् सचिव डॉ. केशव बडाया, गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. एस.एल. शर्मा, डीन ऑफ सोशल साईंस, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं प्रो.जोसहुवा सिल्वर, शिकागो यूनिवर्सिटी, विशिष्ट अतिथि डॉ. जय वर्मा, यू.के. मुख्य अतिथि डॉ. अर्चना शर्मा, अध्यक्ष, सामाजिक कल्याण बोर्ड, राजस्थान सरकार, संगोष्ठी समन्वयक डॉ. कमल किशोर सैनी, प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी, सेंट विल्फ्रेड पीजी कॉलेज की प्राचार्या डॉ. फरीदा हसनी एवं समस्त गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवल्लन के साथ हुआ। संगोष्ठी की संयोजिका छवि सैनी द्वारा संगोष्ठी के विषय-विशेष की जानकारी देने के पश्चात माननीय आतिथियों द्वारा संगोष्ठी पुस्तिका एवं महाविद्यालय पुस्तिका ''**पनोरमा**'' का विमोचन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. सुमित्रा शर्मा एवं डॉ स्निग्धा शर्मा द्वारा की गई। संगोष्ठी सचिव डॉ. कपिला परिहार ने सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस मौके पर सेंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसाइटी के मानद् सचिव डॉ. केशव बड़ाया ने कहा शिक्षा का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव यह है कि शिक्षा उन जगहों तक पंहुच गई है जंहा हमने कल्पना भी नहीं की थी।

राजमल सुराणा स्मृति सम्मान 2023 से अश्विनी भिड़े देशपांडे सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजमल सुराणा स्मृति सम्मान 2023 देश की जानी-मानी शास्त्री गायक विदुषी अश्विनी भिड़े देशपांडे को दिया गया। गलता पीठश्वर अवधेश आचार्य जी ने उन्हें सम्मानित किया। 100000 रुपए की नगद पुरस्कार और स्मृति चिन्ह सम्मान करने वालों में कुशल चंद सुराणा,विमल सुराणा, चंद्रप्रकाश ने शॉल श्रीफल माला आदि पहनाकर सम्मानित किया। हर्ष नकाशे सिंधु दुर्ग महाराष्ट्र जो संजीव अभ्यंकर के शिष्य है को 51000 रुपए पदमश्री प्रकाश चंद्र सुराणा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। जसरंगी जुगलबंदी महिला और पुरुष के अपने अपने स्केल के मुताबिक गाया जाता है इस जुगलबंदी में महिला कलाकार का जो स्वर मध्यम है पुरुष कलाकार का सा होगा, कलाकार विदुषी अश्विनी भिड़े देशपांडे और संजीव अभ्यंकर ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत ओम श्री अनंत हरि नारायण तरण तारण ओम से की। तानपुरे पर अमीषा शर्मा और डॉ आलाप देवड़ा ने संगत की। कार्यक्रम में कलाकारों को चंद्र प्रकाश सुराणा और प्राचीर सुराणा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया। कार्यक्रम में तबले पर अचिंत जोशी और आशय कुलकर्णी साथ ही हारमोनियम पर अभिनय रावड़े और अभिषेक शंकर शिनकर ने संगत की कार्यक्रम का संचालन अनंत व्यास ने किया।

तीये की बैठक (उठावना)

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय

श्री महावीर प्रसाद जी जैन (बड़जात्या)

(सुपुत्र : स्व. श्री जतनलालजी बड़जात्या) का आकस्मिक निधन 03.01.2023 को हो गया है। जिनका उठावना (तीये की बैठक) दिनांक 05.01.2023, गुरुवार को प्रातः 10:00 बजे, स्थान - समवशरण भवन, बिहरीजी रोड, नसीराबाद पर रखा गया है।

शोकाकुल : लाड देवी (पत्नी), राजकुमार, सुभाषचंद, ओमप्रकाश (भाई), सुरेन्द्रकुमार, अजीतकुमार (पुत्र), नरेन्द्रकुमार, मनीषकुमार, राहुलकुमार (भतीजे), हर्षित, अतिशय, आदिश, कविश एवं समस्त बड़जात्या परिवार, नसीराबाद

मो. 9460610179, 9461176052

आचार्य लोकेशजी, आचार्य नयपद्मसागरजी, आचार्य प्रमाण सागरजी ने जैन तीर्थों की पवित्रता व अक्षुण्णता के लिए सरकार से अपील की

जैनाचार्यों के साथ हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु तीर्थों की पवित्रता व सुरक्षा के लिए आज़ाद मैदान में जुटे

मुम्बई. शाबाश इंडिया

मुम्बई के आजाद मैदान में जैनाचार्यों के साथ लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने तीर्थों की पवित्रता व सुरक्षा के लिए जुटे, अहिंसक व शांतिप्रिय जैन समाज के लाखों भक्तों ने शिखरजी, गिरनारजी व शत्रुन्जय की पवित्रता व सुरक्षा के लिए आन्दोलन जारी रखने की शपथ ली । इससे पूर्व मुम्बई कीं सड़कों पर रैली में भाइयों के साथ बड़ी संख्या में महिलाएँ व बच्चे भी शामिल हुए। लाखों की भीड़ की व्यवस्थाओं को युवाओं ने सँभाल रखा था । जैन एकता का ऐसा नजारा देखने को मिला। दिगम्बर, श्वेतांबर सब एक साथ थे दिल्ली से विश्व विख्यात शांतिदूत आचार्य लोकेशजी को विशेष रूप से बुलाया गया था। वे संयुक्त राष्ट्रसंघ सहित वैश्विक मंचों से जैनधर्म का संदेश दुनिया भर में पहुँचाते हैं ।उनकी विभिन्न सरकारों में भी अच्छी पैठ है, मिडिया के राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि आजाद मैदान से आचार्य लोकेशजी ने जैन तीर्थों की पवित्रता व अक्षुण्णता के लिए सरकार को अल्टीमेटम देते हुए कहा तीर्थों की पवित्रता व अक्षुण्णता को खंडित करने का कोई भी प्रयास बर्दाश्त नहीं

किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार के लिए भी भलाई इसी बात में हैं कि अहिंसक व शांतिप्रिय जैन समाज जो राजस्व देने व लोक कल्याणकारी कार्यों में भी आगे रहता है उसकी जायज माँगो को शीघ्र स्वीकार कर लें,आचार्य लोकेश ने सम्मेदशिखरजी, गिरनारजी व शत्रुन्जय जी को पवित्र तीर्थ क्षेत्र घोषित करते हुए उसके संरक्षण की समुचित व्यवस्था करने की सरकार से पुरजोर अपील की। आचार्य नयपद्मसागरजी ने कहा सरकार जल्दी से जल्दी पालीताणा, सम्मेदशिखर जी को पवित्र तीर्थ क्षेत्र घोषित करें और 10 किलोमीटर के क्षेत्र में मांस शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाये,आचार्य प्रमाण सागरजी व माताजी ने कहा कि सम्मेद शिखरजी शास्वत तीर्थ है इनकी पवित्रता भंग हुई तो हम स्वयं अन्न जल त्याग देंगे। इस अवसर पर महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार जैन समाज की भावनाएं केन्द्र सरकार व सम्बंधित राज्य सरकार तक पहुँचाएँगी इस मुद्दे पर आमरण अनशन पर बैठे संजय जैन ने कहा कि सरकार के निवेदन पर हमने 15 दिन का समय दिया है हमारा आन्दोलन माँगें पूरी होने तक जारी रहेगा। सकल जैन समाज संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भारत जैन महामण्डल के अध्यक्ष राकेश मेहता, जीतो के अध्यक्ष अभय श्रीमाल जैन दिगम्बर समाज के अध्यक्ष ने अपने विचार रखें। कवियित्री अनामिका जैन अम्बर, गायक विक्की मेहता ने कविता गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सभी ने सरकार से अहिंसात्मक रूप से पुरजोर अपील करते हुए अपनी भावनाओं से अवगत कराया है।

ज्ञानतीर्थ पर सप्तम पट्टाचार्य ज्ञेयसागर का मंगल आगमन 06 जनवरी को

पूज्य श्री का मंगल प्रवेश एवं महोत्सव समिति का होगा गठन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र मुरेना में सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज का 06 जनवरी को भव्य मंगल प्रवेश होगा । परम पूज्य गुरुदेव सराकोद्धारक षष्ट पट्टाचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की समाधि के पश्चात उनके शिष्य मुनिश्री ज्ञेयसागर जी महाराज को आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज (छाणी) परम्परा के समस्त साधुओं की सहमति से उनका उत्तराधिकारी घोषित कर श्री ज्ञेयसागर जी महाराज को सप्तम पट्टाचार्य से विभूषित किया गया था । ज्ञानतीर्थ मुरेना में 01 फरवरी से 06 फरवरी तक होने जा रहे श्री पंचकल्याणक महोत्सव के निमित्त आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी का मुरेना आगमन हो रहा है। महोत्सव की समस्त धार्मिक क्रियाएं पूज्य आचार्य श्री के सानिध्य में ही सम्पन्न होंगी । श्री ज्ञानतीर्थ पर विराजमान बाल ब्रह्मचारिणी बहिन ललिता दीदी द्वारा प्रदत्त जानकारी के अनुसार पूज्य गुरुदेव सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ससंघ निरन्तर पद विहार करते हुए लगभग 500 किलोमीटर की दूरी तय करके मुरेना की ओर बढ़ रहे हैं । ज्ञानतीर्थ क्षेत्र

मुरेना में पूज्य गुरुदेव का भव्य मंगल प्रवेश शुक्रवार 06 जनवरी को प्रातः 09 बजे होने जा रहा है । जैन समाज मुरेना साधर्मी बन्धु एवं ज्ञानतीर्थ महाआराधक परिवार घड़ियाल केंद्र देवरी पहुँचकर आचार्य संघ की अगवानी करेंगे । घड़ियाल केंद्र से बैंड बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा के साथ पूज्य गुरुदेव का ज्ञानतीर्थ में प्रवेश होगा । मंगल प्रवेश के समय महिलाएं सिर पर मंगल कलश रखकर, रंगोली एवं चौक बनाकर आचार्य संघ की आरती उतारेंगीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु अनेकों साधुओं-साध्वियों के आने की संभावना है। महोत्सव हेतु अनेकों साधुओं का विहार ज्ञानतीर्थ मुरेना के लिए चल रहा है । सर्वप्रथम पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का आगमन हुआ। अब आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी का मंगल प्रवेश हो रहा है। आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज की अंतिम दीक्षित शिष्या परम् पूज्य गणिनी आर्यिका आर्षमति माताजी ससंघ के भी शीघ्र आगमन की संभावना व्यक्त की जा रही है ।

ई कॉमर्स एवं रिटेल पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में जारी दस्तावेज

ई कॉमर्स स्टेकहोल्डर्स ने आज नई दिल्ली में जारी किया दिल्ली घोषणा चार्टर

सेव इंडिया-सेव ट्रेड फोरम का बड़े स्तर पर किया गया गठन

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। आज नई दिल्ली में ई कॉमर्स पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) सहित ट्रांसपोर्ट, लघु उद्योग,होटल और रेस्तरां, ट्रेवल, मोबाइल, एफएमसीजी, खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक्स, हॉकर्स,डायरेक्ट सेलिंग, कंप्यूटर मीडिया, ज्वैलर्स और अन्य वर्गों के राष्ट्रीय संगठनों ने एकजुट होकर विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों पर न केवल ई-कॉमर्स बल्कि भारत के रिटेल व्यापार को भी विकृत करने के लिए बड़ा हल्ला बोलते हुए एक **''स्टेकहोल्डर्स ई कॉमर्स दिल्ली डिक्लेरेशन''** जारी किया जिसमें 5 सूत्र घोषित करते हुए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों से घरेलू व्यापारियों को विदेशी कंपनियों के शातिर चंगुल से बचाने की जोरदार मांग की गई। केट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया सम्मेलन में भाग लेने वाले संगठनों ने एक **''भारत बचाओ-व्यापार बचाओ मंच''** का गठन किया है जो देश भर में फैले फेडरेशन, एसोसिएशन, चैम्बर एवं अन्य प्रमुख संगठनों से संपर्क कर अपने चार्टर के लिए समर्थन जुटाएगा । उन्होंने स्पष्ट किया की ई कॉमर्स और देश के घरेलू व्यापार के मुद्दे पर अब चुप नहीं बैठ जाएगा और जब तक सरकारें हमारे 5 सूत्र को अमली जामा नहीं पहनाती हैं तब तक देश भर में एक बड़ा आंदोलन जारी रहेगा। विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा लगातार नीति एवं नियमों के खिलाफ व्यापार करने के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए ऑफलाइन व्यापार के नेताओं ने केंद्र सरकार से देश के रिटेल व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए ई-कॉमर्स नीति और राष्ट्रीय रिटेल व्यापार नीति को तुरंत लागू करने की जोरदार मांग की । सम्मेलन में शामिल नेताओं ने एक स्वर से कहा की दुनिया भर में इन विदेशी ई कॉमर्स कंपनियों को अभ्यस्त अपराधियों के रूप में जाना जाता है जिन्हे विभिन्न देशों ने उनकी कुटिल नीति के कारण दंडित भी किया हुआ है लेकिन यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन कंपनियों को खुली छूट प्राप्त है । उन्होंने कहा की ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा की गई गड़बड़ी के लिए न केवल केंद्र सरकार बल्कि राज्य सरकारें ज्यादा जिम्मेदार हैं क्योंकि व्यापार राज्य सरकार के अंतर्गत अधिकार का विषय है लेकिन जीएसटी राजस्व का भारी नुकसान होने के बाद भी राज्य सरकारें इन कंपनियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने में विफल रही हैं। सम्मेलन में शामिल नेताओं ने सर्वसम्मति से एक 5 सूत्रीय ई कॉमर्स चार्टर जारी करते हुए इसे ''दिल्ली घोषणा चार्टर'' का नाम दिया जिसमें अविलम्ब एक ई-कॉमर्स नीति घोषित करने की मांग की गई जिसमें अनिवार्य रूप से ट्राई, सेबी और इरडा आदि के समान एक सशक्त रेगुलेटरी अथॉरिटी के गठन का प्रावधान होना चाहिए। रिटेल व्यापार के लिए एक राष्ट्रीय व्यापार नीति की तुरंत घोषणा की जानी चाहिए क्योंकि ई-कॉमर्स का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रिटेल व्यापार पर बुरा प्रभाव है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत ई-कॉमर्स नियम तत्काल जारी किए जाएं । एफडीआई नीति के प्रेस नोट 2 के स्थान पर एक नया प्रेस नोट भी तुरंत जारी किया जाए । ज्ञातव्य है की यह सभी मुद्दे पिछले तीन वर्षों से सरकार के पास लंबित हैं जो सीधे रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के इज ऑफ डूइंग बिजनिस के सिद्धांत के विरूद्ध है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि सम्मेलन में ई कॉमर्स के मुद्दे पर व्यापक चर्चा में यह निर्णय किया गया की ई कॉमर्स पॉलिसी में अनिवार्य रूप से कुछ महत्वपूर्ण प्रावधानों को अवश्य शामिल किया जाए जिसमें विदेशी या भारतीय ई पोर्टल पर उससे संबंधित कंपनियां पंजीकृत नहीं होनी चाहिए। ई पोर्टल प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी विक्रेता की इन्वेंट्री को नियंत्रित नहीं करेगी। ई पोर्टल को अपने पंजीकृत विक्रेताओं के लिए थोक विक्रेता के रूप में कार्य नहीं करना चाहिए। ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने ही ब्रांड का माल अपने ही पोर्टल पर बेचने की आजादी नहीं होनी चाहिए । ई कॉमर्स कंपनियों को अपनी ही कंपनियों को अपने ही प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत करके और उन्हें 25% माल बेचने की अनुमति देकर प्रेस नोट नंबर 2 में एफडीआई नीति के प्रावधानों का गलत फायदा उठाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। इसके अलावा ई कॉमर्स पॉलिसी में किसी भी ई पोर्टल को वस्तु-सूची-आधारित ई-कॉमर्स के रूप में कार्य करने की इजाजत न हो वहाँ कोई भी ई कॉमर्स कम्पनी किसी तीसरे पक्ष के विक्रेता को पंजीकृत नहीं करेगी। हर ई कॉमर्स कम्पनी अपने पोर्टल पर पंजीकृत सभी विक्रेताओं को एक समान सेवाएं प्रदान करे तथा उपभोक्ताओं के लिए पूर्ण रूप से तटस्थ रहे। बैंकों को ऑनलाइन खरीदी पर चुनिंदा ऑफर/कैशबैक प्रदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ई कॉमर्स कंपनियों को विक्रेताओं को पंजीकृत करने से पहले उनको समुचित जांच करनी अनिवार्य हो ताकि वे अवैध उत्पादों की बिक्री कर कानून का यदि करें तो उनकी पहचान की जा सके।

देह का ममत्व त्यागने से आत्म कल्याण होता है: आर्चाय श्री सुनिल सागर जी

मुनिराज श्री 108 समर्थसागरजी महाराज ने भी सम्मेद शिखर जी को लेकर अन्न का त्याग किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में आचार्य श्री सुनीलसागरजी महाराज ने कहा कि हमें राग-द्वेष को छोड़कर अन्तर्रात्मा में गोता लगाना चाहिये इससे हमें आत्म क्लेष प्राप्त नही होगा। देह का ममत्व त्यागने से, आत्म चिन्तन करने से हमें कर्म नही बांध सकते और जब हम निर्मोही बन जाएंगे तो पांचों इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेंगे। कल इसी तरह पांचों इन्द्रियों के विजेता मुनिराज श्री 108 सुज्ञेयसागरजी महाराज ने अपने व्रतों को महा तीर्थराज सम्मेद शिखरजी की पवित्रता को यथावत रखने की दिशा में सरकार व समाज को सन्देष देते हुये इस सामाजिक आन्दोलन के महायज्ञ में अपने नश्वर शरीर की सर्व प्रथम आहुति देकर अपनी आत्मा को सिद्धलोक में स्थापित कर दिया।

महातीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी की पवित्रता यथावत रहे इस विषय पर पूज्य आचार्यश्री ने कहा कि सरकार को दूसरों (जैन समाज) की भावनाओं को समझकर ही सही निर्णय लेना चाहिये। इस अंहिसक एवं शांतप्रिय समाज को आन्दोलित नही करें।

जैन समाज की सरकार से कोई मांग नही है हम तो बस इतना चाहतें हैं कि तीर्थराज सम्मेद शिखरजी जैसा है वैसा ही रहने दें इसे पर्यटन स्थल घोषित नही करें। क्योंकि इससे इस सिद्ध क्षेत्र की पवित्रता और महिमा नष्ट हो जायेगी। श्री सम्मेद शिखरजी हमारे प्राण है और हमारी इस क्षेत्र के प्रति प्रगाढ आस्था है। यदि हमारी आस्था के साथ छेडखानी करेगें तो यह शान्ति प्रिय समाज इसे बर्दास्त नही करेगा। आचार्यश्री ने आगे बताया कि दूसरे मुनिराज श्री 108 समर्थसागरजी महाराज ने भी इस दिशा को ही अंगीकार कर आमरण अनशन पर है। इसलिये सरकार को चाहिये कि इन पवित्रतम-तीर्थस्थल की पवित्रता बनायें रखें और जो पर्यटन स्थल का अध्यादेश जारी किया है उसे अविलम्ब निरस्त कर इसे जैन तीर्थराज ही रखा जावे और वहां की व्यवस्था की हमें स्वायत्ता प्रदान की जाए। मानदमंत्री सुरेश कासलीवाल ने बताया कि आज देवाधिदेव आदिनाथ भगवान के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य मेहुल- दिनेश साह को प्राप्त हुआ। धर्मसभा में आदिनाथ भगवान के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन विक्रान्त सिंघई, जयपुर व आचार्य संघ को शास्त्र भेंट व पादप्रक्षालन समाजश्रेष्ठी हर्षित, दीक्षान्त कोठारी, सागवाडा परिवार ने कर पुण्यार्जन प्राप्त किया। मन्दिर कमेटी के प्रेमचन्द बज, सुरेश कासलीवाल, राकेश रांवका, संजय छाबडा, ज्ञानचन्द सौगाणी नरेन्द्रबज एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी श्रेष्ठियों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। धर्मसभा का शुभारम्भ रूबी व सुजिता जैन सागवाडा ने मंगलाचरण कर किया। मंच संचालन इन्दिरा बडजात्या ने किया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में दिव्या कुमारी जैन भी शामिल होंगी

कोटा/चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

राजस्थान गत 14 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक चेतना का अभियान चला रही पर्यावरण मित्र, नेशनल यूथ अवार्ड व अन्य कई सम्मान व पुरस्कार प्राप्त कर चुकी दिव्या कुमारी जैन (पुत्री संजय कुमार जैन ,शिक्षक) को 12 से 16 जनवरी 2023 तक कर्नाटक के हुबली धारवाड़ में आयोजित नेशनल यूथ फेस्टिवल में भारत

सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से प्राप्त निदेर्शानुसार व राजस्थान युवा बोर्ड युवा मामले व खेल विभाग राजस्थान सरकार के सदस्य सचिव से प्राप्त पत्र अनुसार दिव्या कुमारी जैन को आमंत्रित किया गया है। दिव्या कुमारी जैन ने बताया कि वह फेस्टिवल में भाग लेगी, निश्चित रूप से कार्यक्रम में न केवल कर्नाटक की संस्कृति बल्कि पूरे भारत की संस्कृति को देखने व समझने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम के चार चरणों मे माइंड फूल मॉर्निंग, यूथ शिखर सम्मेलन, स्वदेशी खेल जागरूकता, सांस्कृतिक समारोह आदि अन्य गतिविधियों में भाग लेने व देखने का अवसर मिलेगा। दिव्या ने बताया कि वह इस राष्ट्रीय युवा महोत्सव को लेकर बहुत उत्साहित है ।इसके साथ ही उसे 8 जनवरी को इंदौर में आयोजित भारतीय प्रवासी सम्मेलन में भी भाग लेना है वह दोनों जगह जाएगी ओर अवसर मिलने पर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व अन्य केंद्र व राज्य सरकार के मंत्री को अपनी पर्यापरण मित्र पत्रिका की प्रतियां व पॉलीथिन की थैलियों का उपयोग नही करने का संदेश वाले स्टिकर भी भेंट करेंगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

क्या बढ़े हुए प्रोस्टेट का आयुर्वेद में कोई इलाज है?

प्रोस्टेट एक ग्रंथि है जो केवल पुरुषों में ही होती है। यह एक अखरोट के आकार के बराबर होता है और मूत्राशय की ग्रीवा के नीचे मूत्राशय के निकास (मूत्रमार्ग) के इर्द-गिर्द मौजूद होता है। यह एक द्रव पदार्थ का उत्पादन करती है जो स्खलन के दौरान शुक्राणुओं को ले जाता है।

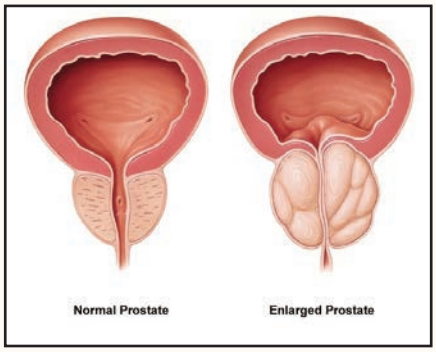

शाबाश इंडिया

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

बढती उम्र के साथ लगभग सभी पुरुषों में पौरुष ग्रंथी का आकार बढ़ने लगता है। इसे बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लेसिया (बीपीएच) कहते है । लगभग 60 वर्ष की उम्र से ज्यादा के लोग ही प्रोस्टेट की समस्या से परेशान होते हैं। इससे मूत्रमार्ग पर दबाव आने से वह अवरुद्ध होता है और मूत्र प्रवृत्ती में बाधा आकर पेशाब संबंधी विभिन्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होने लगती हैं । पौरुष ग्रंथी का आकार बढ़ने के सटिक कारणों का अभी तक पूरी तरह से पता नहीं चला है पर उम्र के साथ टेस्टोस्टेरोन हॉर्मोन की मात्रा में होनेवाले बदलाव इसका एक मुख्य कारण माना जाता है ।

इसके लक्षण

१. पेशाब करने में दिक्कत होना या जलन होना।
२. पेशाब करने के फौरन बाद फिर से पेशाब करने की इच्छा होना।
३. कई बार पेशाब के साथ रक्त भी निकलता है।
४. अचानक पेशाब बंद होने पर पेट के नीचे दर्द होने लगता है।
५. मूत्र थैली में ज्यादा पेशाब जमा होने से यूरिन इनफेक्शन होने के साथ ही मूत्र थैली में स्टोन होने की संभावना होती है। अगर वक्त पर ठीक से इलाज न कराया गया तो हाइड्रोनेफ्रोसिस नामक समस्या भी हो सकती है जिससे किडनी का कार्य भी बाधित हो सकता है।

आयुर्वेद उपचार

प्रोस्टेट के उपचार के लिए आयुर्वेद में काफी उपयोगी और सुरक्षित औषधियां उपलब्ध है । आयुर्वेदिक उपचार के दौरान, रोगी की प्रकृति और अन्य विकार, उपचार, व्यसन और आहार के बारे में पूरी जानकारी लेकर उपचार किये जाते है । आयुर्वेद के अनुसार, मूत्र प्रवृत्ती अपान वायु की गतिविधि पर निर्भर करती है। अपान वायु के कार्य को सुधारने के लिए, पीठ, कमर, पेट, पैरों की औषधीय तेलों से मालिश और फिर निर्गुंडी, दशमूल, एरंड, देवदार आदि औषधियों के काढ़े की भाप से सिकाई की जाती है । इसके बाद घी को तेल का एनिमा याने आयुर्वेद की बस्ती दी जाती है। नियमितरूप से कुछ दिन इन उपचारों को करने से अपान वायु के कार्य में सुधार होता है।

औषधीय उपचार

गोखरू, कांचनार, वरुण, त्रिफला, पुनर्नवा, वचा, मुस्ता, देवदार, हरिद्रा, अतिविषा, निर्गुडी, गुग्गुल, कवचबीज, अश्वगंधा, शतावरी, मुसली आदि वानस्पतिक औषधीया और वंग भस्म, त्रिवंग भस्म, कज्जली और शिलाजीत के संयोजन से बनी विभिन्न दवाओं का उपयोग किया जाता है। इन दवाओं को कुछ दिनों तक लगातार इस्तेमाल करना पड़ता है। यह प्रोस्टेट वृद्धि की शिकायतों को अच्छी तरह से कम करता है। और इसके वृद्धि की दर को भी कम कर सकता है। प्रोस्टेट के ऑपरेशन के बाद भी अगर कुछ रोगियों को फिर से शिकायत होती है, तो ये आयुर्वेदिक उपचार बहुत काम आ सकते हैं। प्रोस्टेट का आकार, आपकी उम्र, लक्षणों की गंभीरता इन बातों पर विचार कर डॉक्टर औषधी उपचार या सजेर्री का सुझाव दे सकते है ।

बरतें ये सावधानियाँ

नियमित रूप से तिल के तेल से पेट की मालिश करे। बहुत अधिक पानी पीने से बचें। अल्कोहोलयुक्त ड्रिंक्स लेना बंद करे। पेशाब जाने की संवेदना होने पर तुरंत पेशाब जाए, उसे रोके नहीं । शाम के बाद ज्यादा पानी पीना या तरल आहार लेना, मीठे खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन करना टाले। ऑपरेशन के डर से कुछ लोग समय पर जांच नहीं करवाते जिससे बीमारी बढ़ सकती है। इसलिए, समय पर आयुर्वेदिक विशेषज्ञ की सलाह लेकर सुझाए गए उपचार करवा ले।